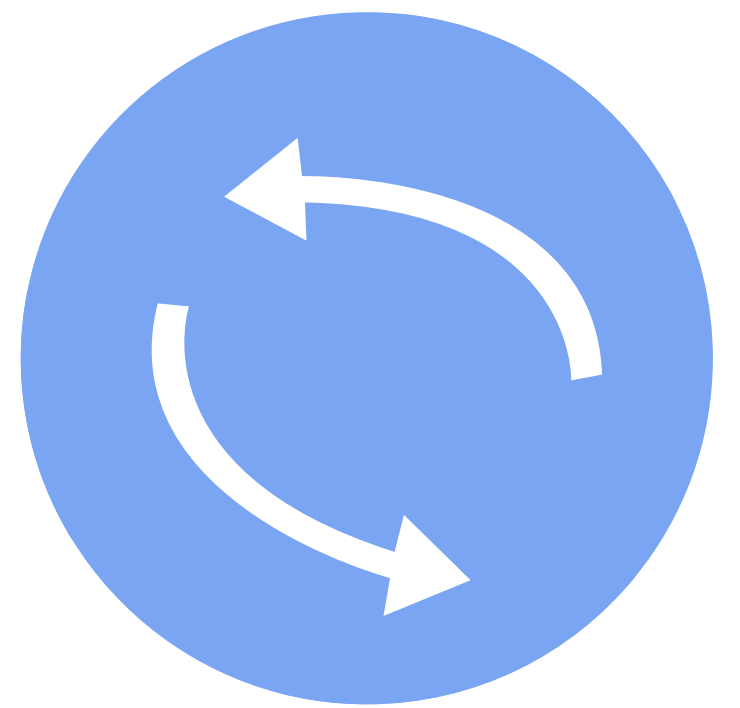


# IGNOU

# MHI-101

**SOLVED** MOST  
REPEATED  
QUESTIONS



Curated List of 30 Questions  
that are seen to be repeated  
frequently in the examinations.

*By* [FarLearner.com](https://farlearner.com)

### 1 . विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में कृषि की शुरुआत की चर्चा कीजिए।

Found in June 2021 ( 1 ) , June 2022 ( 1 )

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में कृषि की शुरुआत मानव सभ्यता के विकास का एक महत्वपूर्ण चरण रही है। प्रारंभिक मानव शिकार और संग्रह पर निर्भर था, किंतु समय के साथ उसने पौधों और पशुओं के नियंत्रित उपयोग की विधियाँ विकसित कीं, जिससे स्थायी जीवन की नींव पड़ी। यह परिवर्तन लगभग 10,000 वर्ष पूर्व नवपाषाण काल में हुआ, जिसे 'कृषि क्रांति' भी कहा जाता है।

सबसे पहले कृषि का विकास फर्टाइल क्रेसेंट (उपजाऊ अर्धचंद्राकार क्षेत्र) में हुआ, जिसमें आज का इराक, सीरिया, लेबनान और इज़राइल शामिल हैं। यहाँ लोगों ने गेहूँ और जौ की खेती प्रारंभ की तथा भेड़, बकरी और गाय जैसे पशुओं का पालन किया। इसी क्षेत्र में सिंचाई तकनीकों का प्रारंभिक विकास भी हुआ, जिससे उत्पादन में वृद्धि संभव हुई।

दूसरा प्रमुख क्षेत्र चीन था, जहाँ दो प्रमुख नदी घाटियों—ह्वान्ग हो (पीली नदी) और यांग्त्ज़ी—के किनारे कृषि का विकास हुआ। यहाँ धान (चावल) और बाजरा प्रमुख फसलें थीं। चीन में कृषि के साथ-साथ रेशम उत्पादन और पशुपालन भी विकसित हुआ, जिसने आर्थिक और सांस्कृतिक प्रगति को गति दी।

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

अमेरिका महाद्वीप में भी कृषि का स्वतंत्र रूप से विकास हुआ। मेसोअमेरिका क्षेत्र (विशेषकर मेक्सिको) में मक्का, सेम और कद्दू की खेती प्रारंभ हुई। इसी प्रकार एंडीज़ पर्वतीय क्षेत्र में आलू और क्विनोआ जैसी फसलें उगाई गईं।

## MHI-101 Most Repeated Questions

इन क्षेत्रों में कृषि ने स्थानीय सभ्यताओं जैसे माया और इंका के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

अफ्रीका में कृषि का विकास मुख्यतः नाइल नदी घाटी और सहारा के दक्षिणी क्षेत्रों में हुआ। नाइल घाटी में वार्षिक बाढ़ के कारण भूमि उपजाऊ बनती थी, जिससे गेहूँ और जौ की खेती संभव हुई। वहीं पश्चिमी अफ्रीका में ज्वार, बाजरा और तेलीय फसलों का उत्पादन प्रारंभ हुआ।

भारतीय उपमहाद्वीप में कृषि का प्रारंभ सिंधु घाटी में हुआ, जहाँ गेहूँ, जौ और बाद में चावल की खेती की गई। यहाँ की सभ्यता में उन्नत सिंचाई व्यवस्था और सुव्यवस्थित कृषि प्रणाली देखने को मिलती है। इसके अतिरिक्त गंगा घाटी में भी कृषि का विस्तार हुआ, जिसने भारतीय सभ्यता को स्थायित्व प्रदान किया।

इन सभी क्षेत्रों में कृषि की शुरुआत स्वतंत्र रूप से हुई, लेकिन कुछ समान विशेषताएँ थीं—जैसे नदी घाटियों के पास बसना, उपजाऊ भूमि का चयन, और जल संसाधनों का उपयोग। कृषि के विकास ने मानव जीवन को घुमंतू से स्थायी बना दिया, जिससे नगरों, व्यापार और सामाजिक संरचनाओं का उदय हुआ।

अंततः, विभिन्न क्षेत्रों में कृषि की शुरुआत ने न केवल खाद्य उत्पादन को सुनिश्चित किया, बल्कि मानव सभ्यता के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास की आधारशिला भी रखी।

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

### 2 . कांस्य युग के समाजों की विशिष्ट विशेषताओं पर चर्चा कीजिए। इन सभ्यताओं का पतन कैसे हुआ?

Found in Dec 2023 ( 2 ) , Feb 2021 ( 2 )

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

कांस्य युग मानव इतिहास का वह महत्वपूर्ण चरण था जब तांबे और टिन के मिश्रण से बने कांस्य धातु के उपयोग ने तकनीकी, सामाजिक और आर्थिक प्रगति को नई दिशा दी। यह काल लगभग 3000 ईसा पूर्व से 1200 ईसा पूर्व तक फैला हुआ था और इसमें अनेक उन्नत सभ्यताओं का उदय हुआ, जैसे मेसोपोटामिया, मिस्र, सिंधु घाटी तथा चीन। इन सभ्यताओं की विशिष्ट विशेषताएँ उनके विकसित सामाजिक ढाँचे, तकनीकी नवाचार और सांस्कृतिक उन्नति में स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं।

कांस्य युग के समाजों की प्रमुख विशेषता उनका शहरीकरण था। इस काल में सुव्यवस्थित नगरों का विकास हुआ, जिनमें पक्की सड़कों, जल निकासी व्यवस्था और सार्वजनिक भवनों का निर्माण हुआ। उदाहरणस्वरूप, सिंधु घाटी के नगरों में सुव्यवस्थित नगर योजना और स्वच्छता प्रणाली देखने को मिलती है। इसके अतिरिक्त, इन समाजों में वर्ग विभाजन स्पष्ट था—शासक वर्ग, पुरोहित, व्यापारी और श्रमिक वर्ग।

दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता धातु विज्ञान और तकनीकी विकास था। कांस्य के उपकरणों और हथियारों के उपयोग से कृषि, युद्ध और शिल्पकला में सुधार हुआ। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ी और व्यापार का विस्तार हुआ। व्यापारिक नेटवर्क दूर-दराज क्षेत्रों तक फैले हुए थे, जिनके माध्यम से वस्तुओं का आदान-प्रदान होता था। लेखन प्रणाली का विकास भी इसी काल की महत्वपूर्ण उपलब्धि थी, जैसे मेसोपोटामिया की क्यूनिफॉर्म लिपि और मिस्र की चित्रलिपि, जिन्होंने प्रशासन और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को सुदृढ़ बनाया।

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

## MHI-101 Most Repeated Questions

धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी कांस्य युग अत्यंत समृद्ध था। इस काल में बहुदेववाद प्रचलित था और मंदिरों तथा धार्मिक संस्थानों का समाज में महत्वपूर्ण स्थान था। कला, वास्तुकला और मूर्तिकला में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई, जो इन सभ्यताओं की सांस्कृतिक उन्नति को दर्शाती है।

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

हालाँकि, लगभग 1200 ईसा पूर्व के आसपास इन कांस्य युगीन सभ्यताओं का पतन होने लगा, जिसे “Bronze Age Collapse” कहा जाता है। इसके पीछे कई कारण थे। पहला, पर्यावरणीय परिवर्तन—जैसे सूखा, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाएँ—ने कृषि उत्पादन को प्रभावित किया। दूसरा, बाहरी आक्रमणों और युद्धों ने इन सभ्यताओं को कमजोर किया; उदाहरण के लिए, “सी पीपल्स” के आक्रमणों ने मिस्र और मेसोपोटामिया को प्रभावित किया।

तीसरा, आंतरिक सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता भी पतन का कारण बनी। शासकीय तंत्र के विफल होने, विद्रोहों और संसाधनों की कमी ने इन समाजों को कमजोर कर दिया। व्यापारिक नेटवर्क के टूटने से आर्थिक संकट उत्पन्न हुआ, जिससे धातु संसाधनों की उपलब्धता भी प्रभावित हुई।

इस प्रकार, कांस्य युग के समाज अपनी उन्नत तकनीक, शहरीकरण और सांस्कृतिक विकास के लिए प्रसिद्ध थे, किंतु पर्यावरणीय, सामाजिक और राजनीतिक कारणों के संयुक्त प्रभाव से उनका पतन हुआ। अंततः, यह काल मानव इतिहास में एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी चरण के रूप में देखा जाता है, जिसने आगे आने वाली लौह युगीन सभ्यताओं की नींव रखी।

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

### 3 . प्राचीन यूनानी व रोमन समाजों में दासत्व तथा दासों की भूमिका का तुलनात्मक विवरण दीजिए।

Found in Dec 2023 ( 3 ) , Feb 2021 ( 3 )

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

प्राचीन यूनानी और रोमन समाजों में दासत्व (slavery) एक केंद्रीय सामाजिक एवं आर्थिक संस्था थी, जिसने इन सभ्यताओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोनों ही समाजों में दासों को संपत्ति के रूप में देखा जाता था, किंतु उनकी स्थिति, कार्यक्षेत्र और सामाजिक भूमिका में कुछ समानताएँ और भिन्नताएँ स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं।

प्राचीन यूनान, विशेषतः एथेंस और स्पार्टा में दासत्व व्यापक रूप से प्रचलित था। यूनानी समाज में दास मुख्यतः युद्धबंदियों, ऋणग्रस्त व्यक्तियों या विदेशी लोगों से बनाए जाते थे। एथेंस में दास घरेलू कार्यों, खनन, कृषि और शिल्प कार्यों में लगे होते थे। वहीं स्पार्टा में 'हेलॉट' नामक दास वर्ग राज्य के अधीन था, जो कृषि उत्पादन का आधार था। यूनानी समाज में दासों के साथ व्यवहार अपेक्षाकृत कठोर था, लेकिन कुछ मामलों में उन्हें सीमित स्वतंत्रता या धन अर्जित करने के अवसर भी मिलते थे।

## Get Solutions of All Repeated Questions

रोमन समाज में दासत्व भी व्यापक था। रोम में दासों की संख्या अत्यधिक थी और वे समाज के लगभग हर क्षेत्र में कार्यरत थे—कृषि, घरेलू सेवा, खदानों, निर्माण कार्य और प्रशासन तक। रोमन समाज में दासों का उपयोग अत्यधिक व्यापक था। रोमन समाज में दासों का उपयोग अत्यधिक व्यापक था, लेखक या चिकित्सक के रूप में। इसके अतिरिक्त, 'मुक्त दास' (freedmen) की परंपरा भी थी, जिसमें दास

[CLICK HERE](http://FarLearner.com)

4 . यूरोप में ईसाई धर्म के प्रसार का संक्षिप्त विवरण दीजिए। इसके प्रति रोमन राज्य का क्या रवैया था?

Found in Dec 2022 ( 4 ) , Feb 2021 ( 4 )

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

यूरोप में ईसाई धर्म का प्रसार मानव इतिहास की एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रिया थी, जिसने सामाजिक संरचनाओं, नैतिक मूल्यों और राजनीतिक व्यवस्थाओं को गहराई से प्रभावित किया। ईसाई धर्म की शुरुआत पहली शताब्दी ईस्वी में फिलिस्तीन क्षेत्र में यीशु मसीह की शिक्षाओं से हुई। उनका संदेश प्रेम, करुणा, समानता और ईश्वर के प्रति भक्ति पर आधारित था, जिसने आम जनता, विशेषकर गरीब और वंचित वर्ग को आकर्षित किया।

ईसाई धर्म के प्रारंभिक प्रसार में शिष्यों (apostles) और प्रचारकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विशेष रूप से संत पॉल ने रोमन साम्राज्य के विभिन्न भागों—एशिया माइनर, ग्रीस और रोम—में जाकर ईसाई धर्म का प्रचार किया। उन्होंने स्थानीय भाषाओं और संस्कृतियों के अनुरूप संदेश को प्रस्तुत किया, जिससे यह धर्म तेजी से फैलने लगा। इसके अतिरिक्त, रोमन साम्राज्य के सुदूर प्रांतों में (अधिकृत रूप से Maximilian) ने भी धर्म के प्रसार को सुगम बनाया।

**Get Solutions of All  
Repeated Questions**

धीरे-धीरे ईसाई धर्म यूरोप के विभिन्न क्षेत्रों में फैलने लगा और दूसरी-

**CLICK HERE**

com

समग्र रूप से, यूरोप में ईसाई धर्म का प्रसार एक क्रमिक प्रक्रिया थी, जिसमें प्रारंभिक संघर्ष, उत्पीड़न और अंततः राजकीय समर्थन की भूमिका रही। रोमन राज्य का प्रारंभिक विरोध धीरे-धीरे स्वीकृति और संरक्षण में बदल गया, जिसने ईसाई धर्म को एक प्रमुख वैश्विक धर्म के रूप में स्थापित किया। अंततः, यह प्रक्रिया यूरोपीय सभ्यता के निर्माण में निर्णायक सिद्ध हुई।

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

### 5 . संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: पशुओं को पालतू बनाना / पशुपालन

Found in Dec 2023 ( 5 i ) , Dec 2022 ( 5 c ) , June 2024 ( 5 d ) , Feb 2021 ( 1 )

पशुओं को पालतू बनाना या पशुपालन मानव सभ्यता के विकास की एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया रही है, जिसने आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन को गहराई से प्रभावित किया। यह प्रक्रिया नवपाषाण काल में प्रारंभ हुई, जब मानव ने शिकार और संग्रह की जीवनशैली से हटकर स्थायी जीवन अपनाना शुरू किया। पशुपालन के माध्यम से मानव ने न केवल भोजन के स्थायी स्रोत प्राप्त किए, बल्कि अपनी जीवन-शैली को अधिक संगठित और सुरक्षित बनाया।

पशुओं के पालतू बनने की प्रक्रिया क्रमिक और प्रयोगात्मक थी। प्रारंभ में मानव ने उन पशुओं को अपने पास रखना शुरू किया जो अपेक्षाकृत शांत, उपयोगी और नियंत्रित किए जा सकते थे। सबसे पहले कुत्ता को पालतू बनाया गया, जो सुरक्षा और शिकार में सहायक था। इसके बाद भेड़, बकरी और गाय जैसे पशुओं को पालतू बनाया गया, जिनसे दूध, मांस, ऊन और श्रम प्राप्त होता था।

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

पशुपालन का विकास विभिन्न क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से हुआ। मेसोपोटामिया और सिंधु घाटी जैसे क्षेत्रों में पशुपालन कृषि के साथ जुड़कर मिश्रित अर्थव्यवस्था का आधार बना। वहीं मध्य एशिया और अफ्रीका के कुछ भागों में घुमंतू पशुपालन (nomadic pastoralism) विकसित हुआ, जहाँ लोग पशुओं के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते थे।

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

पशुपालन के अनेक आर्थिक लाभ थे। इससे खाद्य पदार्थों—जैसे दूध, मांस और दुग्ध उत्पाद—की उपलब्धता सुनिश्चित हुई। पशुओं का उपयोग कृषि कार्यों में भी किया जाने लगा, जैसे हल चलाना और परिवहन। इसके अतिरिक्त, पशुओं से प्राप्त उत्पादों—ऊन, चमड़ा आदि—का उपयोग वस्त्र और अन्य वस्तुओं के निर्माण में किया गया, जिससे व्यापार को भी बढ़ावा मिला।

सामाजिक दृष्टि से पशुपालन ने संपत्ति और वर्ग विभाजन की अवधारणा को जन्म दिया। जिन लोगों के पास अधिक पशु होते थे, वे अधिक समृद्ध माने जाते थे। इससे समाज में असमानता और सामाजिक पदानुक्रम का विकास हुआ। साथ ही पशुओं का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी बढ़ा; कई संस्कृतियों में पशुपालन को पवित्र माना गया और उनसे जुड़े अनुष्ठान विकसित हुए।

# Get Solutions of All Repeated Questions

हालाँकि, पशुपालन के कुछ नकारात्मक प्रभाव भी थे—अत्यधिक पशुपालन से पर्यावरणीय क्षति जैसे जंगलों का नष्ट होना और भूमि का कटाव। पशुपालन के विकास ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में लोगों के फैलने के रास्ते खोले।

[CLICK HERE](#)

## MHI-101 Most Repeated Questions

समग्र रूप से, पशुओं को पालतू बनाना मानव इतिहास की एक क्रांतिकारी उपलब्धि थी, जिसने कृषि, व्यापार, समाज और संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसने मानव को स्थायी जीवन, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक संगठन की दिशा में आगे बढ़ाया। अंततः, पशुपालन ने सभ्यता के विकास की आधारशिला रखी और आज भी मानव जीवन का अभिन्न अंग बना हुआ है।

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

### 6 . संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: एजटेक सभ्यता

Found in Dec 2023 ( 5 iii ) , Dec 2024 ( 4 ) , June 2021 ( 10 iv ) , June 2022 ( 5 b )

एजटेक सभ्यता प्राचीन मेसोअमेरिका की एक उन्नत और शक्तिशाली सभ्यता थी, जिसका विकास लगभग 14वीं से 16वीं शताब्दी के बीच हुआ। इसका प्रमुख केंद्र टेनोच्टिटलान था, जो आज के मेक्सिको सिटी के स्थान पर स्थित था। एजटेक समाज अपनी उन्नत नगर योजना, विशाल मंदिरों और संगठित प्रशासनिक व्यवस्था के लिए प्रसिद्ध था।

एजटेकों की अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि पर आधारित थी। उन्होंने “चिनाम्पा” प्रणाली विकसित की, जिसमें झीलों के ऊपर कृत्रिम द्वीप बनाकर खेती की जाती थी। इससे उत्पादन में अत्यधिक वृद्धि हुई। मक्का, सेम और कद्दू उनकी प्रमुख फसलें थीं। इसके अतिरिक्त, व्यापार भी महत्वपूर्ण था और बाजारों में वस्तुओं का आदान-प्रदान व्यापक रूप से होता था।

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

## MHI-101 Most Repeated Questions

सामाजिक संरचना में स्पष्ट वर्ग विभाजन था—राजा (सम्राट), कुलीन वर्ग, योद्धा, व्यापारी और सामान्य किसान। धर्म एजटेक जीवन का केंद्रीय तत्व था। वे अनेक देवताओं की पूजा करते थे, जिनमें सूर्य देवता विशेष रूप से महत्वपूर्ण थे। धार्मिक अनुष्ठानों में मानव बलि की प्रथा भी प्रचलित थी, जिसे वे देवताओं को प्रसन्न करने का माध्यम मानते थे।

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

हालाँकि, 16वीं शताब्दी में हर्नान कॉर्तेस के नेतृत्व में स्पेनिश आक्रमणकारियों ने इस सभ्यता पर विजय प्राप्त कर ली। यूरोपीय बीमारियों, आंतरिक विरोध और सैन्य शक्ति के कारण एजटेक साम्राज्य का पतन हो गया।

संक्षेप में, एजटेक सभ्यता अपनी उन्नत कृषि, सांस्कृतिक समृद्धि और संगठित समाज के लिए जानी जाती है, किंतु बाहरी आक्रमणों और परिस्थितियों के कारण इसका अंत हो गया।

### 7 . संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: खानाबदोश साम्राज्य

Found in Dec 2023 ( 5 iv ) , June 2021 ( 5 iv ) , Feb 2021 ( 10 c )

खानाबदोश साम्राज्य वे राजनीतिक संगठन थे, जिनका निर्माण उन घुमंतू समुदायों द्वारा किया गया था जो स्थायी कृषि पर निर्भर न होकर पशुपालन और मौसमी आवागमन पर आधारित जीवन जीते थे। ये साम्राज्य मुख्यतः मध्य एशिया के विस्तृत घास के मैदानों (स्टेपी) में विकसित हुए, जहाँ जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियाँ स्थायी कृषि के लिए अनुकूल नहीं थीं।

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

### 8 . यूरोप में सामंतवाद के पतन के विभिन्न सिद्धांतों की चर्चा कीजिए।

Found in Dec 2023 ( 6 ) , June 2022 ( 6 )

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

यूरोप में सामंतवाद (Feudalism) मध्यकालीन सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था का प्रमुख आधार था, जिसमें भूमि पर आधारित संबंध, सामंती प्रभुत्व और कृषकों की निर्भरता शामिल थी। किंतु 14वीं से 16वीं शताब्दी के बीच यह व्यवस्था धीरे-धीरे कमजोर पड़ गई। इसके पतन को समझाने के लिए इतिहासकारों ने विभिन्न सिद्धांत प्रस्तुत किए हैं, जो आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और तकनीकी परिवर्तनों पर आधारित हैं।

सबसे प्रमुख सिद्धांत आर्थिक परिवर्तन का है। इस दृष्टिकोण के अनुसार, व्यापार और नगरीकरण के विकास ने सामंतवाद की नींव को कमजोर किया। नगरों के उदय और मुद्रा अर्थव्यवस्था के विस्तार से कृषकों को वैकल्पिक रोजगार के अवसर मिले, जिससे उनकी सामंतों पर निर्भरता कम हुई। विशेष रूप से ब्लैक डेथ के बाद श्रम की भारी कमी उत्पन्न हुई, जिसके कारण मजदूरी बढ़ी और कृषकों की सौदेबाजी की शक्ति मजबूत हुई। इससे सामंतिक व्यवस्था कमजोर हुई।

## Get Solutions of All Repeated Questions

[CLICK HERE](#)

9 . मध्ययुगीन काल में यूरोप में जनसांख्यिकी में परिवर्तन की व्याख्या कीजिए।

Found in Dec 2023 ( 7 ) , June 2021 ( 9 )

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

मध्ययुगीन काल में यूरोप की जनसांख्यिकी (Demography) में गहरे और व्यापक परिवर्तन हुए, जिन्होंने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक संरचनाओं को प्रभावित किया। यह परिवर्तन मुख्यतः जनसंख्या वृद्धि, तीव्र गिरावट और पुनः वृद्धि के चरणों में विभाजित किया जा सकता है।

प्रारंभिक मध्यकाल (लगभग 1000-1300 ई.) में यूरोप की जनसंख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस वृद्धि का मुख्य कारण कृषि क्षेत्र में सुधार था। तीन-फसली प्रणाली (three-field system), भारी हल (heavy plough) और जल तथा पवन चक्कियों के उपयोग से उत्पादन बढ़ा। इससे खाद्य आपूर्ति में सुधार हुआ और मृत्यु दर में कमी आई। परिणामस्वरूप, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में जनसंख्या बढ़ने लगी। नगरों का विकास और व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार भी इस वृद्धि में सहायक सिद्ध हुआ।

**Get Solutions of All Repeated Questions**

**CLICK HERE**

10 . हिन्द महासागर में पुर्तगाली व्यापार का विश्लेषण कीजिए।  
इसके पतन के क्या कारण थे?

Found in Dec 2022 ( 7 ) , June 2021 ( 7 )

[FarLearner.com](http://FarLearner.com)

हिन्द महासागर में पुर्तगाली व्यापार 15वीं-16वीं शताब्दी के दौरान वैश्विक व्यापार इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना था। वास्को द गामा द्वारा 1498 में भारत के कालीकट पहुँचने के बाद पुर्तगालियों ने एशिया और यूरोप के बीच समुद्री व्यापार का नया मार्ग स्थापित किया। इससे वे मसालों, रेशम और अन्य विलासिता की वस्तुओं के व्यापार में प्रमुख शक्ति बन गए।

पुर्तगालियों की व्यापारिक नीति केवल व्यापार तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह सैन्य और राजनीतिक नियंत्रण पर भी आधारित थी। उन्होंने हिन्द महासागर के महत्वपूर्ण बंदरगाहों—जैसे गोवा, मलक्का और हॉर्मुज़—पर अधिकार स्थापित किया। इन स्थानों को किलों और नौसैनिक ठिकानों में बदलकर उन्होंने समुद्री मार्गों पर नियंत्रण सुनिश्चित किया। पुर्तगालियों ने 'कार्टाज़ प्रणाली' लागू की, जिसके अंतर्गत समुद्र में व्यापार करने वाले जहाजों को उनके द्वारा जारी अनुमति पत्र लेना अनिवार्य था। इससे वे व्यापार पर एकाधिकार स्थापित करने में सफल रहे।

**Get Solutions of All  
Repeated Questions**

**CLICK HERE**